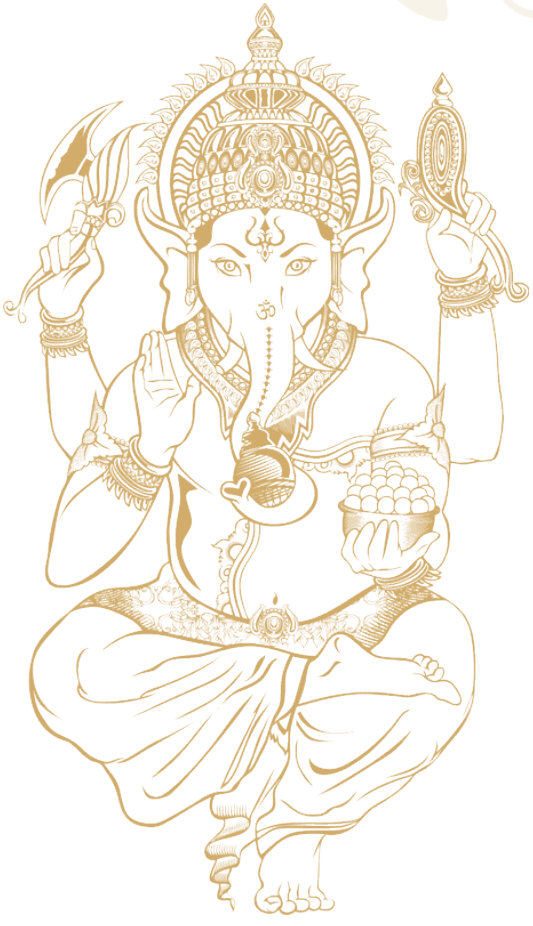

Diksha

01 Jan 1995

12:05 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121920004

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/1995**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	41:20:50 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:34:28 घंटे
वेलान्तर	-00:02:50 घंटे
साम्पातिक काल	06:14:17 घंटे
सूर्योदय	07:32:39 घंटे
सूर्यास्त	17:34:20 घंटे
दिनमान	10:01:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:04:09 धनु
लग्न के अंश	09:15:20 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:15:20	307:42:56	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			धनु	16:04:09	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			धनु	06:35:59	14:57:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	08:50:59	00:01:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	26:16:25	01:37:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	10:53:45	00:12:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			तुला	29:51:38	00:54:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शनि			कुंभ	14:10:53	00:04:58	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	19:31:18	00:07:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		मेष	19:31:18	00:07:19	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष			मक	01:40:08	00:03:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	28:46:09	00:02:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	05:43:30	00:01:57	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	09:29:18	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:26

लग्न-चलित

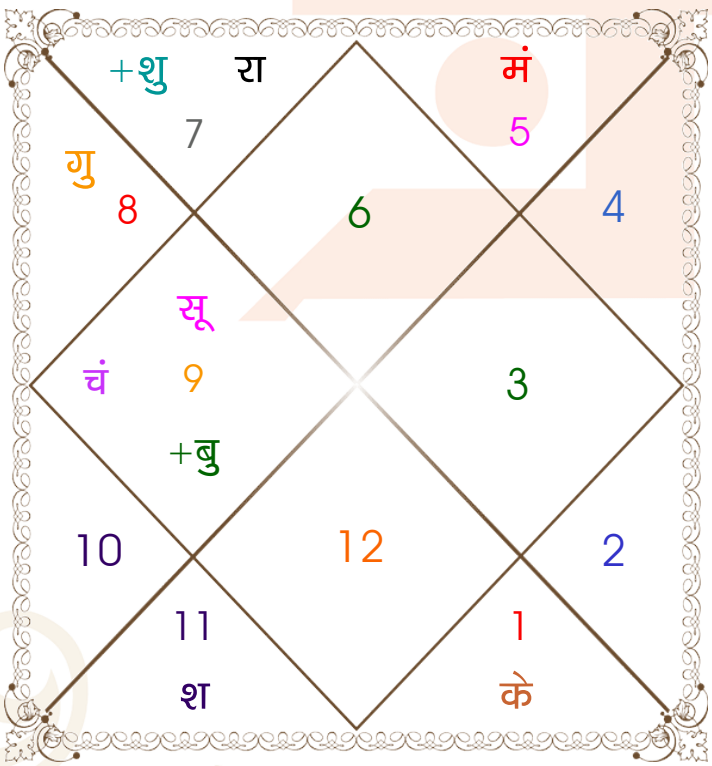

चन्द्र कुंडली

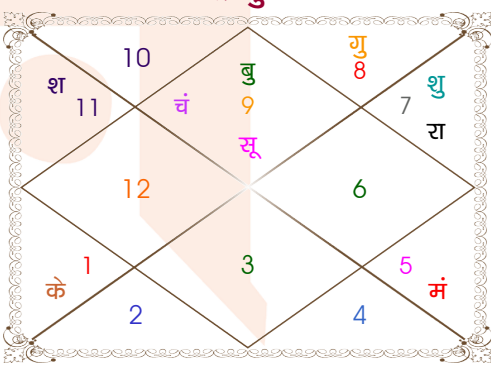

नवमांश कुंडली

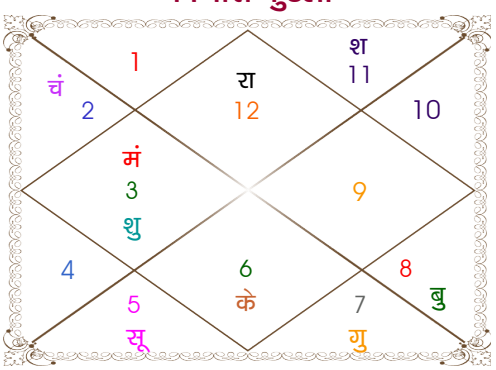

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/01/1995		15/07/1998		15/07/2018		14/07/2024		15/07/2034	
15/07/1998		15/07/2018		14/07/2024		15/07/2034		14/07/2041	
	00/00/0000	शुक्र	13/11/2001	सूर्य	01/11/2018	चंद्र	15/05/2025	मंगल	11/12/2034
	00/00/0000	सूर्य	13/11/2002	चंद्र	03/05/2019	मंगल	14/12/2025	राहु	29/12/2035
	00/00/0000	चंद्र	14/07/2004	मंगल	08/09/2019	राहु	15/06/2027	गुरु	04/12/2036
	00/00/0000	मंगल	13/09/2005	राहु	01/08/2020	गुरु	14/10/2028	शनि	13/01/2038
	01/01/1995	राहु	13/09/2008	गुरु	21/05/2021	शनि	15/05/2030	बुध	10/01/2039
राहु	03/07/1995	गुरु	15/05/2011	शनि	03/05/2022	बुध	14/10/2031	केतु	08/06/2039
गुरु	08/06/1996	शनि	15/07/2014	बुध	09/03/2023	केतु	14/05/2032	शुक्र	08/08/2040
शनि	17/07/1997	बुध	15/05/2017	केतु	15/07/2023	शुक्र	13/01/2034	सूर्य	13/12/2040
बुध	15/07/1998	केतु	15/07/2018	शुक्र	14/07/2024	सूर्य	15/07/2034	चंद्र	14/07/2041

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/07/2041		15/07/2059		15/07/2075		15/07/2094		16/07/2111	
15/07/2059		15/07/2075		15/07/2094		16/07/2111		00/00/0000	
राहु	27/03/2044	गुरु	01/09/2061	शनि	18/07/2078	बुध	10/12/2096	केतु	12/12/2111
गुरु	20/08/2046	शनि	14/03/2064	बुध	27/03/2081	केतु	08/12/2097	शुक्र	10/02/2113
शनि	26/06/2049	बुध	20/06/2066	केतु	06/05/2082	शुक्र	08/10/2100	सूर्य	18/06/2113
बुध	14/01/2052	केतु	27/05/2067	शुक्र	05/07/2085	सूर्य	15/08/2101	चंद्र	17/01/2114
केतु	31/01/2053	शुक्र	25/01/2070	सूर्य	17/06/2086	चंद्र	14/01/2103	मंगल	15/06/2114
शुक्र	01/02/2056	सूर्य	13/11/2070	चंद्र	17/01/2088	मंगल	12/01/2104	राहु	02/01/2115
सूर्य	26/12/2056	चंद्र	14/03/2072	मंगल	24/02/2089	राहु	31/07/2106		00/00/0000
चंद्र	26/06/2058	मंगल	18/02/2073	राहु	01/01/2092	गुरु	05/11/2108		00/00/0000
मंगल	15/07/2059	राहु	15/07/2075	गुरु	15/07/2094	शनि	16/07/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती है और कार्य के पीछे पड़ जाती है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।